चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.8.26	5	7-8

एचएयू में तीन दिवसीय संरक्षित खेती प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकों पर जोर

हिसार | एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में तीन दिवसीय संरक्षित खेती प्रशिक्षण हुआ। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से किसान, युवा और उद्यमी शामिल हुए। मुख्य संयोजक डॉ. विकास हुड्डा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक संरक्षित खेती तकनीकों से जोड़कर स्वरोजगार और कृषि उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा के अनुसार सीमित भूमि और जल संसाधनों के दौर में यह पद्धति टिकाऊ और लाभकारी विकल्प बन रही है। इस दौरान डॉ. राम नरेश ने ड्रिप सिंचाई एवं फर्टिगेशन, डॉ. सुमित देसवाल ने मिट्टी रहित माध्यम में सब्जी उत्पादन, डॉ. इन्दु अरोड़ा ने ग्राफ्टिंग तकनीक तथा डॉ. धर्मबीर दुहन एवं डॉ. हंस राज ने टमाटर, खीरा एवं रंगीन शिमला मिर्च की संरक्षित खेती की जानकारी दी। डॉ. अरविंद मलिक ने उच्च मूल्य वाले फूलों की व्यावसायिक खेती की संभावनाएं बतायी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	11.8.26	12	7-8

हिसार। संरक्षित खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर अधिकारियों के साथ प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

युवाओं ने सीखी आधुनिक तकनीकें

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय संरक्षित खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से किसानों, युवाओं एवं उद्यमियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के मुख्य संयोजक डॉ. विकास हुड्डा ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक संरक्षित खेती तकनीकों से परिचित कर स्वरोजगार एवं कृषि उद्यमिता के लिए प्रेरित करना था। संरक्षित खेती से वर्षभर सब्जियों, फूलों एवं उच्च मूल्य वाली फसलों का उत्पादन संभव है। उपरोक्त संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक द्वारा ने बताया कि सीमित भूमि एवं जल संसाधनों की वर्तमान परिस्थितियों में संरक्षित खेती भविष्य की टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली है। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राम नरेश ने ड्रिप सिंचाई एवं फर्टिगेशन, डॉ. सुमित देसवाल ने मिट्टी रहित माध्यम में सब्जी उत्पादन, डॉ. इन्दु अरोड़ा ने ग्राफ्टिंग तकनीक तथा डॉ. धर्मबीर दुहन एवं डॉ. हंस राज ने टमाटर, खीरा एवं रंगीन शिमला मिर्च की संरक्षित खेती की जानकारी दी। डॉ. अरविंद मलिक ने उच्च मूल्य वाले फूलों की व्यावसायिक खेती की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. सरदूल मान, डॉ. सतीश मेहता, डॉ. संदीप भाकर सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.8.26	5	7-8

हकृवि में संरक्षित खेती प्रशिक्षण आयोजित, युवाओं ने सीखी आधुनिक तकनीक

अधिकारी प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 10 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय संरक्षित खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से किसानों, युवाओं एवं उद्यमियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के मुख्य संयोजक डॉ. विकाश हुड्डा ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक संरक्षित खेती तकनीकों से परिचित कर स्वरोजगार एवं कृषि उद्यमिता के लिए प्रेरित करना था। संरक्षित खेती से वर्षभर सब्जियों, फूलों एवं उच्च मूल्य वाली फसलों का उत्पादन संभव है। उपरोक्त संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि सीमित भूमि एवं जल संसाधनों की वर्तमान परिस्थितियों में संरक्षित खेती भविष्य की टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली है। डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, डॉ. सरदूल मान ने पॉलीहाउस स्थापित करने से पूर्व मिट्टी की सूत्रकृमि जांच तथा डॉ. सतीश मेहता ने मिर्च एवं टमाटर में लीफ कर्ल रोग के प्रबंधन की जानकारी दी। समापन अवसर पर डॉ. संदीप भाकर सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11-8-26	2	6-8

हकृवि में संरक्षित खेती प्रशिक्षण आयोजित, युवाओं ने सीखी आधुनिक तकनीकें

हिसार, 10 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय संरक्षित खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के मुख्य संयोजक डॉ. विकास हुड्डा ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक संरक्षित खेती तकनीकों से परिचित कर स्वरोजगार एवं कृषि उद्यमिता के लिए प्रेरित करना था। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राम नरेश ने ड्रिप सिंचाई एवं फर्टिगेशन, डॉ. सुमित देसवाल ने मिट्टी रहित माध्यम में सब्जी उत्पादन, डॉ. इन्दु अरोड़ा ने ग्राफ्टिंग तकनीक तथा डॉ. धर्मबीर दुहन एवं डॉ. हंस राज ने टमाटर, खीरा एवं रंगीन शिमला मिर्च की संरक्षित खेती की जानकारी दी। डॉ. अरविंद मलिक ने फूलों की व्यावसायिक खेती की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	10.08.2026	-----	----

प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं ने सीखी संरक्षित खेती की आधुनिक तकनीकें

नभ-छोर न्यूज ⏭ 10 अगस्त

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय संरक्षित खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से किसानों, युवाओं एवं उद्यमियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के मुख्य संयोजक डॉ. विकास हुड्डा ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक संरक्षित खेती तकनीकों से परिचित कर स्वरोजगार एवं कृषि उद्यमिता के लिए प्रेरित करना था। संरक्षित खेती से वर्षभर सब्जियों, फूलों एवं उच्च मूल्य वाली फसलों का उत्पादन संभव है। उपरोक्त संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि सीमित भूमि एवं जल संसाधनों की वर्तमान परिस्थितियों में संरक्षित खेती भविष्य की टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली है। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राम नरेश ने ड्रिप सिंचाई एवं फर्टिगेशन, डॉ. सुमित देसवाल ने मिट्टी रहित माध्यम में सब्जी उत्पादन, डॉ. इन्दु अरोड़ा ने ग्राफ्टिंग तकनीक तथा डॉ. धर्मबीर दुहन एवं डॉ. हंस राज ने टमाटर, खीरा एवं रंगीन शिमला मिर्च की संरक्षित खेती की जानकारी दी। डॉ. अरविंद मलिक ने उच्च मूल्य वाले फूलों की व्यावसायिक खेती की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, डॉ. सरदूल मान ने पॉलीहाउस स्थापित करने से पूर्व मिट्टी की सूत्रकृमि जांच तथा डॉ. सतीश मेहता ने मिर्च एवं टमाटर में लीफ कर्ल रोग के प्रबंधन की जानकारी दी। समापन अवसर पर डॉ. संदीप भाकर सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।